



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 323] नई दिल्ली, बुधवार, जून 9, 1988/ज्येष्ठ 19, 1910
No. 323] NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 9, 1988/JYAISTHA 19, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन में रखे जा सकें

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 9 जून, 1988

अधिसूचना

सं. 197-सीमाशुल्क/88

सा. का. नि. 692(अ):—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,

अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग की अधिसूचना सं. 13-सीमाशुल्क/81, तारीख 9 फरवरी, 1981 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना के पहले पैरा में, शर्त सं. (8) के पश्चात्, निम्नलिखित शर्त सं. (9) अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

“(9) इस अधिसूचना में किसी बात के होते हुए भी, इसमें अंतर्बिष्ट ऐसे पुर्जों और खपने वाले माल को, जो नीचे सारणी में विनिर्दिष्ट नहीं हैं, पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान उपक्रम द्वारा भारत से बाहर निर्यात के लिए वस्तुओं के विनिर्माण के कारखाना द्वारमूल्य के 1.5 प्रतिशत की सीमा तक या ऐसी अधिक प्रतिशतता तक लागू होगी, जो केन्द्रीय सरकार प्रत्येक मामले में विक्रय के पश्चात् सेवा के लिए निर्यात वस्तुओं के साथ ऐसे पुर्जों और खपने वाले माल के प्रदाय के प्रयोजन के लिए उक्त शतप्रतिशत निर्यातोन्मुख उपक्रम अनुमोदन बोर्ड द्वारा इस निमित्त की गई सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए अनुज्ञात करे किंतु ऐसा इस शर्त के अधीन रहते हुए होगा कि ऐसा प्रदाय विनिर्दिष्ट रूप से सुसंगत नियति संविदा में अनुबंधित है और सहायक सीमाशुल्क कलक्टर का यह समाधान हो जाता है कि ऐसे पुर्जों और खपने वाले माल के मूल्य को उक्त आयात और निर्यात नीति के अधीन यथा अपेक्षित मूल्य परिवर्धन का परिनिर्धारण करने के लिए सम्मिलित कर लिया गया है।

[सं. 197-सीमाशुल्क/88-फा.सं. 305/101/87-एफ टी टी]

आर.के. कपूर, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 9th June, 1988

NOTIFICATION

NO. 197-CUSTOMS/88

G.S.R. 692(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India

in the Ministry of Finance, Department of Revenue, No. 13-Customs|81, dated the 9th February, 1981, namely :—

In the said notification, in the first paragraph, after condition No. (8), the following condition No. (9) shall be inserted, namely :—

“(9) Notwithstanding anything contained in this notification, the exemption contained herein shall also apply to spares and consumables, other than those specified in the Table below, to the extent of 1.5% of the ex-factory value of manufacture of articles for export out of India by the undertaking during the preceding year or such percentage in excess thereof as the Central Government may in each individual case allow having regard to the recommendations made in this behalf by the said Board of Approvals for Hundred Per cent Export Oriented Undertakings for the purpose of supply of such spares and consumables with the export articles for after-sale-service, subject to the condition that such supply is specifically stipulated in the relevant export contract and the Assistant Collector of Customs is satisfied that the values of such spares and consumables have been included for arriving at the value addition as required under the said Import and Export Policy.

[No. 197-Customs|88-F. No. 305|101|87-FTT]

R. K. KAPOOR, Under Secy.

